वर्ष-19 अंक-185 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शनिवार 09 मई 2026

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI No.- UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

इंडोरमा इंडिया प्रा.लि. कंपनी में सीएसए के छात्र का चयन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के सेवायोजन निदेशक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से एमबीए एग्री बिजनेस के छात्र अंशुमान सिंह का चयन इंडोरमा इंडिया प्रा.लि. कंपनी में मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर हुआ है। उन्होंने बताया कि इंडोरमा इंडिया प्रा.लि. सिंगापुर स्थित इंडोरामा कॉर्पोरेशन का हिस्सा है और भारत की प्रमुख उर्वरक कंपनियों में शामिल है। कंपनी मुख्य रूप से पारस और शक्तिमान ब्रांड के तहत यूरिया, डीएपी, एनपीके और एसएसपी जैसे उर्वरकों का उत्पादन करती है, जो देश के प्रतिष्ठित उर्वरक ब्रांडों में गिने जाते हैं। इसके साथ ही इस वर्ष विश्वविद्यालय के कई छात्रों को इस अंतरराष्ट्रीय कंपनी में इंटर्नशिप के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। लगभग एक दर्जन छात्रों को इंटर्नशिप के लिए चयनित किए जाने की संभावना है। चयनित

छात्रों को आकर्षक पैकेज के साथ अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित छात्र एवं इंटर्नशिप प्राप्त करने वाले छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

टिप्पणी अत्यधिक दुर्भाग्यपूर्ण, मंत्री को कोई पछतावा भी नहीं : सुप्रीम कोर्ट - 13

पर इरानी हमले के बाद भी ट्रंप का दावा युद्ध विराम अभी बरकरार - 13

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvicha

2 राज्य | 6 संस्क

लखनऊ ■ बरेली ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या

त अष्टमी विक्रम संवत 2083

शनिवार, 9 मई 2026, वर्ष 4, अंक 258, पृष्ठ 14 ■ मूल्य

सीएसए के छात्रों को इंडोरमा इंडिया में मौका

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों ने इंडोरमा इंडिया कंपनी में नौकरी हासिल की है। सेवायोजन के निदेशक डा. विजय कुमार यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के कैम्पस प्लेसमेन्ट में एमबीए एग्री बिजनेस के छात्र अंशुमान सिंह का इंडोरमा इंडिया कम्पनी में मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर चयन किया गया है। इस वर्ष इस अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी में सीएसए के कई छात्र इंटर्नशिप के लिए भी प्रस्ताव दिया है। जिसमें लगभग एक दर्जन छात्रों को अवसर मिलेगा। चयनित छात्र को अच्छे पैकेज के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ भी दी जाएंगी।

(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्ष: 08 अंक: 226 देहरादून, शनिवार 09 मई 2026 पृष्ठ : 12

सीएसए के छात्रों ने रचा नया इतिहास : इंडोरमा इंडिया प्रा. लि. में मिला शानदार प्लेसमेंट और इंटर्नशिप का अवसर

दि ग्राम टुडे, संजय मौर्य यूपी हेड। कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के छात्रों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कंपनी इंडोरमा इंडिया प्रा. लि. में शानदार सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय के सेवायोजन निदेशक डॉ. विजय कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से एमबीए एग्री बिजनेस के छात्र मिस्टर अंशुमान सिंह का चयन इंडोरमा इंडिया प्रा. लि. में मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर हुआ है।

इंडोरमा इंडिया प्रा. लि. सिंगापुर स्थित इंडोरामा कॉर्पोरेशन का हिस्सा है तथा भारत की प्रमुख उर्वरक कंपनियों में से एक मानी जाती है। कंपनी मुख्य रूप से "पारस" और "शक्तिमान" ब्रांड के तहत यूरिया, डीएपी, एनपीके एवं एसएसपी जैसे उर्वरकों का निर्माण करती है, जो देशभर में किसानों के बीच बेहद लोकप्रिय और विश्वसनीय उत्पाद माने जाते हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस वर्ष सीएसए के कई छात्रों को इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कंपनी में इंटर्नशिप के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। लगभग एक दर्जन छात्रों को इंटर्नशिप का मौका मिलेगा, जिससे उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कार्य करने का व्यवहारिक अनुभव प्राप्त होगा। चयनित छात्रों को आकर्षक वेतन पैकेज के साथ अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी, जिससे छात्रों में उत्साह का माहौल है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रणाली का परिणाम मानी जा रही है।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा एवं बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है।

इस सफलता से विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों में भी नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है तथा यह उपलब्धि आने वाले समय में सीएसए के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी।

ध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश में प्रसारित
www.samarthsahara.com
samarthsaharabhopal@gmail.com
भोपाल
शनिवार
9 मई 2026
वर्ष: 12, अंक: 373
कुल पृष्ठ: 8
मूल्य : 2.00
दैनिक समर्थ सहारा
सच को सच कहने का अदम्य साहस

इंडोरमा इंडिया प्रा.लि. कम्पनी में सीएसए के छात्रों की छलांग

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के सेवायोजन के निदेशक डा.विजय कुमार यादव द्वारा अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के कैम्पस प्लेसमेन्ट द्वारा एमबीए एग्री बिजनेस के छात्र मिस्टर अंशुमान सिंह का इंडोरमा इंडिया प्रा.लि.कम्पनी में मैनेजमेंट ट्रेनी पद पर चयन किया गया। है। इंडोरमा इंडिया प्रा.लि.कम्पनी सिंगापुर के इंडोरामा कॉर्पोरेशन का हिस्सा है। और भारत प्रमुख उर्वरक कम्पनियों में से एक है। कम्पनी मुख्य रूप से पारस और शक्तिमान ब्राण्ड के तहत यूरिया,डीएपी,एनपीके और एसएसपी जैसे खाद बनाती है। जो देश के जाने माने ब्राण्ड उर्वरक उत्पद है। इसके साथ ही इस वर्ष इस अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी में सीएसए के कई छात्र इंटर्नशिप के लिए भी प्रस्ताव दिया है। जिसमें लगभग एक दर्जन छात्रों को अवसर मिलेगा। चयनित छात्र को अच्छे पैकेज के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ भी दी जायेगी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने इस प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुये छात्रो को उनके उज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं व्यक्त की है।

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
www.amritvicha
2 राज्य | 6 संस्क
त अष्टमी विक्रम संवत 2083 | कानपुर नगर | शनिवार, 9 मई 2026, वर्ष 4, अंक 258, पृष्ठ 14

मिट्टी, जल व पर्यावरण को करें सुरक्षित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर शुक्रवार को उर्वरकों के संतुलित उपयोग प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानो को संतुलित उर्वरक के प्रयोग के लिए जागरूक करना। कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष डॉ वीके कनौजिया ने किसानों को बताया कि फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और लागत कम करने के लिए उर्वरकों का संतुलित मात्रा का प्रयोग करें। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, दलहन अनुसंधान संस्थान की प्रधान वैज्ञानिक डॉ मीनल राठौर ने किसानो को बताया कि उर्वरकों प्रयोग करने से पहले मृदा परीक्षण अवश्य कराए और उसी के अनुसार खाद का प्रयोग करें।

(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्षः 08 अंकः 226 देहरादून, शनिवार 09 मई 2026 पृष्ठ : 12

संतुलित उर्वरक ही सुरक्षित भविष्य की कुंजी : वैज्ञानिकों ने किसानों को दिया मिट्टी, जल और पर्यावरण संरक्षण का संदेश"

दि ग्राम टुडे, संजय मौर्य यूपी हेड। कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आज "उर्वरकों के संतुलित उपयोग प्रबंधन" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित प्रयोग, मृदा संरक्षण तथा पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों का संतुलित मात्रा में प्रयोग फसलों की वृद्धि एवं उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक है, लेकिन इनके अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है, जल प्रदूषण बढ़ता है तथा मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. वी. के. कनौजिया ने दलहन अनुसंधान संस्थान से आए वैज्ञानिकों का स्वागत करते हुए की। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लागत कम करने एवं मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए उर्वरकों का संतुलित मात्रा में प्रयोग करना बेहद जरूरी है। उन्होंने खेत के पानी को खेत में रोकने, मृदा कटाव रोकने तथा सतत कृषि उत्पादन अपनाने पर भी विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं दलहन अनुसंधान संस्थान की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मीनल राठौर ने किसानों को सलाह दी कि उर्वरकों का प्रयोग करने से पहले मृदा परीक्षण अवश्य कराएं और उसी के अनुसार खाद का उपयोग करें। उन्होंने किसानों को हरी खाद एवं गोबर की खाद 10 से 15 टन प्रति हेक्टेयर प्रयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि इससे मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और फसल उत्पादन में भी सुधार होता है।

दलहन अनुसंधान संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. अन्वेषा डे ने किसानों को खेती के साथ–साथ कृषि आधारित अन्य व्यवसाय अपनाने की सलाह दी, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। वहीं वैज्ञानिक डॉ. श्रीनिकेतन ने खेतों में जैव उर्वरकों एवं मित्र जीवाणुओं के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि इनके प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार ने संतुलित उर्वरक प्रयोग की वैज्ञानिक विधियों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं डॉ. सुशील कुमार ने हरी खाद उत्पादन तकनीक पर किसानों को प्रशिक्षित किया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अभिमन्यु ने फसल उत्पादन में कीट एवं रोग प्रबंधन के उपाय बताए।

कार्यक्रम के दौरान गृह वैज्ञानिक डॉ. चंद्रकला ने रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से अपने घरों में गृहवाटिका विकसित करने की अपील की, ताकि परिवार को रसायन मुक्त एवं पौष्टिक सब्जियां उपलब्ध हो सकें। इस जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 110 किसानों ने प्रतिभाग कर वैज्ञानिकों से आधुनिक एवं टिकाऊ खेती की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम किसानों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक साबित हुआ।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 303 कानपुर, शनिवार 09 मई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर मिट्टी, जल व पर्यावरण को करें सुरक्षित : डॉ मीनल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित अनौगी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज उर्वरकों के संतुलित उपयोग प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।रासायनिक उर्वरकों का संतुलित मात्रा में प्रयोग फसलों की वृद्धि और उत्पादन के लिए आवश्यक है, लेकिन इनके अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग से मृदा तथा मानव स्वास्थ्य पर अनेक हानिकारक प्रभाव पड़ते है। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानो को संतुलित उर्वरक के प्रयोग के लिए जागरूक करना। कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष डॉ वी के कनौजिया ने दलहन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने किसानों को बताया कि फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने,मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और लागत कम करने के लिए उर्वरकों का संतुलित मात्रा का प्रयोग करें और खेत के पानी को खेत में रोकने के बारे में जानकारी प्रदान की।

दैनिक नगर छाया आप की आवाज़....
WWW.nagarchhaya.com
कानपुर छाया
कानपुर
09 मई , 2026

संतुलित उर्वरक उपयोग आज की आवश्यकता किसानों को दी गई आधुनिक खेती की जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम करोम में उर्वरकों के संतुलित प्रयोग विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक खेती और मृदा स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शशीकांत ने किसानों से बुवाई से पहले मृदा परीक्षण कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि मिट्टी परीक्षण से पोषक तत्वों की कमी का सही आकलन हो जाता है, जिससे यूरिया, डीएपी और पोटाश जैसे उर्वरकों का संतुलित एवं आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जा सकता है। इससे उत्पादन बढ़ने के साथ लागत में भी कमी आती है।

डॉ. दीपक मिश्रा ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगातार कम हो रही है। उन्होंने किसानों को रासायनिक खादों के साथ जैविक खाद का नियमित प्रयोग करने की सलाह दी। उनके अनुसार जैविक खाद के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है तथा उर्वरकों की उपयोग क्षमता भी बढ़ती है।

उद्यान वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी ने किसानों को गोबर की खाद के साथ रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एनपीके के साथ-साथ जिंक, सल्फर, बोरॉन और कैल्शियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग भी आवश्यक है।

उन्होंने किसानों को जलभराव अथवा तेज बारिश के दौरान यूरिया का प्रयोग न करने की सलाह दी, क्योंकि ऐसी स्थिति में नाइट्रोजन का नुकसान अधिक होता है।

डॉ. अवस्थी ने किसानों को छोटे स्तर पर वर्मी यूनिट स्थापित कर वर्मी कंपोस्ट तैयार करने की तकनीक की भी जानकारी दी। इसके साथ ही आगामी खरीफ सीजन में लागत और श्रम कम करने के लिए धान की सीधी बुवाई तकनीक के लाभ बताए।

कार्यक्रम में गांव के 30 से अधिक किसानों ने सहभागिता की और वैज्ञानिकों से खेती से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। किसानों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की।

दुर्भाग्यपूर्ण, मंत्री
को कोई पछतावा भी
नहीं : सुप्रीम कोर्ट
- 13

बाद भी ट्रंप का दावा
युद्ध विराम अभी
बरकरार
-13

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
| कानपुर नगर |
www.amritvichar
2 राज्य | 6 संस्क
लखनऊ ▪ बरेली
मुरादाबाद ▪ अयोध्या
त अष्टमी विक्रम संवत 2083
शनिवार, 9 मई 2026, वर्ष 4, अंक 258, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य

संतुलित उर्वरक का उपयोग जरूरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नागर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उर्वरकों के संतुलित प्रयोग विषय पर दिए गए प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ शशीकांत ने किसानों से बुवाई से पहले मृदा परीक्षण कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी का सही आकलन होता है और उसी आधार पर यूरिया, डीएपी तथा पोटाश का संतुलित उपयोग किया जा सकता है। डॉ दीपक मिश्रा ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरा क्षमता लगातार घट रही है।

(हिन्दी दैनिक)
R.N.I. No. Utthin/2018/76731
(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)
दि ग्राम टुडे
उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित
वर्षः 08 अंकः 226 देहरादून, शनिवार 09 मई 2026 पृष्ठ : 12

"संतुलित उर्वरक प्रयोग से बढ़ेगी पैदावार, सुधरेगी मिट्टी की सेहत : वैज्ञानिकों ने किसानों को दी आधुनिक खेती की सीख"

दि ग्राम टुडे, संजय मौर्य यूपी हेड। कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम करोम में "उर्वरकों के संतुलित प्रयोग" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने सहभागिता कर आधुनिक खेती, मिट्टी संरक्षण एवं उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि फसल उत्पादन बढ़ाने के साथ–साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए संतुलित उर्वरक प्रयोग बेहद आवश्यक है। वैज्ञानिकों ने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान एवं जैविक खेती के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शशीकांत ने किसानों से बुवाई से पहले मृदा परीक्षण कराने की अपील करते हुए कहा कि इससे मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की सही जानकारी मिलती है और उसी आधार पर यूरिया, डीएपी एवं पोटाश का संतुलित उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति से उर्वरकों का प्रयोग करने पर लागत कम होती है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

डॉ. दीपक मिश्रा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के लगातार अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरा क्षमता प्रभावित हो रही है। उन्होंने किसानों को जैविक खाद एवं गोबर की खाद का नियमित प्रयोग करने की सलाह दी, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और उर्वरकों की उपयोग क्षमता भी बढ़ती है।

सिंदूरदा
दुल्ह
बीमारी छिपा

दि ग्राम टुडे
संवाददाता प्रभात सिंह
बरसठी द्य स्थानीय थाना
रायपुर गांव स्थित प्राचीन दु
धाम मंदिर परिसर में आ
विवाह समारोह के दौरान उस
अफरा–तफरी मच गई
सिंदूरदान और मंगलसूत्र
से ठीक पहले दूल्हे की
तबीयत बिगड़ गई। घटना
दुल्हन पक्ष ने विवाह करने से
कर दिया। सूचना पर पहुंची
112 पुलिस दोनों पक्षों को
गई, जहां घंटों पंचायत और

आकस्मिक
दंगा/बलवा निय

दि ग्राम टुडे संवाददाता
लखीमपुर खीरी।आकस्मिक
समाज में सुरक्षित/भयमुक्त

नियन्त्रण का पूर्वाभ्यास किया
भी आपातकालीन स्थिति, का
परिस्थितियों से प्रभावी ढंग
ड्रिल के दौरान पुलिस अ
उपकरणों के प्रयोग, भीड़ नि
आवश्यक जानकारियां एवं
तत्परता साथ ड्रिल में प्रति
आवश्यक दिशा–निर्देश दिए
संयम, सतर्कता एवं टीम भाव
इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी ट्रा
निघासन, क्षेत्राधिकारी गोला
कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमर उजाला 09/05/2026

संतुलित उर्वरक उपयोग से बढ़ेगी उपज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की ओर से ग्राम करोम में उर्वरकों के संतुलित प्रयोग विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। इसमें 30 से अधिक किसानों ने भाग लेकर आधुनिक खेती और मिट्टी संरक्षण संबंधी तकनीकों की जानकारी ली। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने बताया कि फसल उत्पादन बढ़ाने और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए उर्वरकों का संतुलित प्रयोग आवश्यक है। डॉ. शशिकांत ने किसानों को बोआई से पहले मृदा परीक्षण कराने की सलाह दी ताकि आवश्यकता के अनुसार यूरिया, डीएपी और पोटाश का सही उपयोग किया जा सके। डॉ. दीपक मिश्रा ने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले नुकसान बताते हुए जैविक खाद अपनाने पर जोर दिया। डॉ. निमिषा अवस्थी ने सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलन, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण और धान की सीधी बुवाई तकनीक की जानकारी दी। (ब्यूरो)

Amar bharti lko (2).pdf

अमर भारती
एक उम्मीद
देश, 06 संस्करण
...: 12, मूल्य: 03 रु.
RNI No. UPHIN/2011/46455
www.amarbharti.com
शनिवार, 09 मई 2026 शक सम्वत् 1948, ज्येष्ठ कृष्ण...

उर्वरकों के संतुलित प्रयोग विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नागर द्वारा ग्राम करोम में ÷उर्वरकों के संतुलित प्रयोग÷ विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक खेती से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। प्रशिक्षण के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने मिट्टी की सेहत सुधारने और फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को कई उपयोगी सुझाव दिए। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ शशीकांत ने किसानों से बुवाई से पहले मृदा परीक्षण कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी का सही आकलन होता है और उसी आधार पर यूरिया, डीएपी तथा पोटाश का संतुलित उपयोग किया जा सकता है। डॉ दीपक मिश्रा ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरा क्षमता लगातार घट रही है। उन्होंने किसानों को रासायनिक खादों के साथ जैविक खाद का नियमित प्रयोग करने की सलाह दी।

रात करीब साढ़े ग्यारह बजे डाक्टरों ने

नागरिक का दायित्व निभाते हुए

दैनिक जागरण कानपुर दे.09/05/2026

संतुलित उर्वरक उपयोग आज की आवश्यकता

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : मिट्टी की सेहत सही रखने व फसल का उत्पादन बढ़ाने को उर्वरक का प्रयोग संतुलित करना चाहिए। वर्मी कंपोस्ट किसानों को तैयार करना चाहिए। यह बातें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम करौम में उर्वरकों के संतुलित प्रयोग विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विज्ञानियों ने कही।

विज्ञानी डाक्टर शशिकांत ने किसानों से बोआई से पहले मृदा परीक्षण कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी का सही आकलन होता है और उसी आधार पर यूरिया, डीएपी तथा पोटाश का संतुलित उपयोग किया जा सकता है।

डाक्टर दीपक मिश्रा ने कहा कि रसायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरा क्षमता लगातार घट रही है। उन्होंने किसानों को रासायनिक खादों के साथ जैविक खाद का नियमित प्रयोग करने की सलाह दी, जिससे उर्वरकों की उपयोग क्षमता बढ़ती है और मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है। उद्यान विज्ञानी डाक्टर निमिषा अवस्थी ने किसानों को गोबर की खाद के साथ रसायनिक उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने एनपीके के साथ-साथ जिंक, सल्फर, बोरान और कैल्शियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलित प्रयोग पर भी जोर दिया। साथ ही किसानों को जलभराव या तेज बारिश के दौरान यूरिया का प्रयोग न करने की सलाह दी, क्योंकि इससे नाइट्रोजन का नुकसान होता है। डाक्टर अवस्थी ने किसानों को छोटे स्तर पर वर्मी यूनिट स्थापित कर वर्मीकंपोस्ट तैयार करने की तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने आगामी खरीफ सीजन में लागत और श्रम कम करने के लिए धान की सीधी बोआई तकनीक के फायदे भी बताए।